उर्मो न श्रेठ: र्यर क मी उर्द्य मी र माथय पश्चनाया

मोर मानी

मंत्रीत्यत्वर्षः क्षेत्रचत्रदेवः विमान्ने निक्षान्यः स्वामान्ने विमान्ने विमान्ने विमान्ने विमान्ने विमान्ने व विमान्ने विमाने विमाने विमाने विमाने विमान्ने विमान्ने विमान्ने विमान्ने विमान्ने विमान्ने विमान्ने विमान्ने व

्रीयः हे लूर्ताक्षयी इया अन्युके लूर्ता अक्ट्री क्ष्रीय चिर प्रमुच के स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन इया अन्युक लूर्पा अस्य प्रमुच स्थापन स्थापन

उर्मु म भूठ देनदः ऋ दे हिम्म क्रिय क्रिय क्रिय देनदः देनदः मीत्र विद्यान्य मीत्र क्रिय क्र

दे.लट. क्षेत्रावनः क्ष्रीन्यः व अधिव उत्रेत्रालरः देवा देटः मूट् उत्रुत्राची हटः देवूरः दे लटः मी वु जन्नावना के।

मृत्यंतरा १ जन्म भिष्ठ्यंत्रात्यात्त्रमुम् जन्म भ्राज्ने सन्दर्याचा मित्र वृद्धः स्थितात्रभ्राज्ञः स्थाना मित्र स्थान्य स्था

ट्रे.उपरसंज्या र ज्यास्त्री

उद्भासीर मुस्याया प्रमाणिय विया विद्याया वर या

डुचा ठचट मारुजना में मार्च के स्वाप्त के स्व क्रियंतर प्रमुख्य में जावन के में स्वाप्त के स्व

इ.क्ट्राध्ना

सः चोड्चाचीलचोड्चाजिस्विच्छ्यं उद्देन्यलचभ्रेत्रे हुचान्नलाजी उत्तर रेज्यू उच्चाचश्चाक्ष्यं चान्न र्वाच्याचित्रण भ्रेत्राहे जूर्तान्नलाजी जन्म स्वाचित्रका स्वाच्याचित्रकास्त्रका स्वाच्याचित्रका स्व

इ.क्थ्ःरा।

शुन्यश्चितः दृश्चनः सृश्चन्यनम् स्वितः केश्चेश्च्या मित्र भुद्रवितः मोनावश्चर्यान्ता सन्तरः न्यान्यान्त्र सन्तरः सन्तरः मोन्यान्य स्वितः सन्तर्यान्त्र सन्तरः सन्त

£.æ2.3€1.

वर्षो न से मा र शु की केंद्रे द्याद्वर द्र र र द्वर । दे यथ हेत् श्रुर मी र्वेन द्वर पेर्

इ.क्ब.ल्ता

त्रम् त्राचानाम् वात्राचानाम् व

इ.क्ब.तता

इ.क्य.ल्ता

¥.क्⊴.जत्र।

इ.क्थं.√तो

द्धः इति याद्र कुरा व्ययत् प्रति प्रति यो र. यो वृत्य देवर स्रवी विकास क्षेत्र प्रति यो क्षेत्र प्रति य

इ.क्य.७ता

म्रिमान्दरम् अस्ति स्वरं विद्याने स्वरं विद्याने स्वरं विद्याने स्वरं विद्याने स्वरं विद्याने स्वरं विद्याने स

इ.क्ट्र.७०ता

द्येत्राचीर सुर्वा के स्वाप्त के स स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त के स्वप्त के स्वाप्त के स्वाप्त के स्वाप्त के स्वप्त के स्वप्त

£. agd. 19741

ट्रे.अंग्रेगताम्स्यान्यान्त्रम्यान्यम्यान्त्रम्यान्त्रम्यान्त्रम्यान्त्रम्यान्त्रम्यान्त्रम्यान्त्रम्यान्त्रम् भ्रम्भात्त्रम्यान्त्रम्यान्त्रम्यान्त्रम्यान्त्रम्यान्त्रम्यान्त्रम्यान्त्रम्यान्त्रम्यान्त्रम्यान्त्रम्यान्त्

मुचारादुक्रेया.उचर्च क्व.चर्या.श्च.च.क्र.चुक्च.द्रस्था अपराज्हू प्रविद्यात्रहेया.अपराक्चित्रया.क्ष्यांच्यात्रक् चामाजुर्दक्षेया.ज्यांच्यात्रच्या.ज्यार्च्याःक्ष्याःक्ष्याःक्ष्याःच्यात्रक्ष्याःच्यात्रक्ष्याःच्यात्रक्षयाःच्या

इ.क्ष्य.केरती

शुर्द्रशमा अ.र.श्रीव रद्दः शुर्द्रश वद्दे मी स्ट. द्वान अ.स. व्यान स्थाव स्ट. द्वान अ.स. व्यान स्थाव स्ट. व्यान स्थाव स्थाव स्ट. व्यान स्थाव स्थाव स्ट. व्यान स्थाव स्ट. व्यान स्थाव स

इ.क्ट्रफाउरा

शुर्द्रात्मा र ती. क्यानन र र नथुष क्रियायन र र प्राप्त प्र

शुर्म्थामा माश्रव स्टर. सर शुर्व में गावना न हैयाहे. में गावना माथवा मा माश्रव सिरानविमा है। उर्बे क्या ब्रिस ज्या सर शुर्व में गावना वर ली जूर क्या तर हाया सिरा जूरी

इ.क्ट्राव्हा

शुर्म्थामा र ती. कैंचा ब्रैंस जमा बेर स्वयम ती. मैंगायन योजवीयर सैयम ब्रैंस ज्या हे केंस क्र्या तार्ड क्र्या स्वर्ध

हीर रूप र्टर उन्नेजन्द केश.जै. तत्र उन्हा मीर ही कूर्या हीर मीर से प्राप्त र्या र्या प्राप्त प्र प्राप्त प्राप्त प्राप

इ.क्ट्राजना

मा.स.अ.बी.धिरश.की.बूच.रंचर.लूरी

माशुः भर रेश राम्रेन प्रस्तर रेशिक्षा सुरश र्वेन प्राप्त केर्पा प्रमानिक केर्या केर्या केर्या केर्या केर्या केर

इ.क्यं.४ल्टा

कु मृत्रान्तर्न्त्रम् । विनेत्रम् उन्त्रान्तर्भ्यत्तरम् अपित्रमः अप्तानम् अप्तानम् । देन्त्रम् अप्तानम् । देन्

चिष्ठेव सर्बेशका वु.ची.घर. चिष्ठेव सर्बेशका वु.क्षेव सर्व सचन स्त्रीचीका की रकार सरार सरीयका सेरका की मुस्का स

चन्न तर्कतः नेर भी प्रदे से भी भी के ब्रह्म की महत्त्व की महत्त्व की प्रदेश की प्रदेश की की प्रदेश की महत्त्व की प्रदेश की प्र

\$.æ2.20011

शुर्रुशाचाराती. परामिरः लाच्यः इंस्क्यावराती. मैंस्ट्र्याचरचार्यवरात्तराचेतुनुपरार्यपारा

या.र.चीयालट. रट.युट्र.चैं.टेट्य.सूच.टेचट.जयन्त्रेया.श्र.असूट.श्र.चयाचा.श्र.कूच

इ.क्थं.वे.४८०।

शुः अरायत्वास्तरम् मुद्दात्वास्तरम् क्रित्त्वास्त्रम् । क्रित्तस्तरम् क्रित्ताः क्

\$. aga . Wr.1

£.æ2.√0.11

म्। म.स.सं.कु. याने, नर्रः क्रियात्तरं क्रूयायाः वर्ष्ट्रस्ययाः वर्ष्ट्रम्ययाः वर्षेत्रायाः याचे वर्षेत्रः नयर वर्षेत्रा

माञ्जापदः स्मिनायदः देना वदः दर्द्यदर्गे पदे विषय स्मेर् विषय पदे मान स्मिना स्मेर

इ.क्ट्र.७८१

क्षाचा मः शुः मराजे देव प्रतायन श्री मालुर क्षेत्र ते तरा सुमान प्रताय प्रताय प्रताय मानुका प्रताय स्थापन स्यापन स्थापन स्यापन स्थापन स

शु.च.र.जे. ४८.शुटु:मैजाववावर:शु.अ८.७वाग.धूर्य.उर्देशभग्रसूर्य.देशू.तटुरजर्टवर.लूटी

उत्तर स्मृत् स्था ती. विन शुन्द स्योग भिष्य देतु देनदा कर दें अभेग जूर शुन्धा शुन्द स्था हो स्था ती. दे स्था स्था ती. विन स्था स्था ती. विन स्था ती

इ.क्थं.रउत्ती

लटा ज्याक्रुचीयान्टर भैजावन क्रिम्स्य प्रस्ति व्यक्त क्रिस्स्य प्रस्ति विश्वास्य अपन्ति । अपन्ति विश्वास्य अपन्ति । अपन्त

३.क्थ.४३त।

, बेंद्र छेन् श्रीर-मोबय शु.क्री-मार्थ केंद्र प्रस्ति केंद्र प्रमान केंद्र प्रमान केंद्र केंद्र केंद्र केंद्र विकास केंद्र केंद्र

म् म.स.स. स्ट.सूद्रांप्रतयिक्ष्रेष्रयैत्रस्त्रीर्म्यतः क्रूर्ट उन्नजनाद्रश्चीर र्वेमाक्रूमायानाम्बुद्धिरमा मञ्जूष्री मार्ग्यास्त्रीतः स्ट्रास्त्रास्त्रीतः स्ट्रास्त्रास्त्रीतः स्ट्रास्त्रास्य

इ.क्र्यःउल्ता

च.र.स. २२७५म्बर्यान्दर्भन्त्रः त्र्वाक्त्रं स्वाद्वान्त्रः द्वाक्त्रं स्वाद्वान्त्रः स्वाव्यान्त्रः स्वाव्यान्त

इ.क्थं.उतता

ट्ट. यर.मी पन्नउक्ट.क्ट्री मीनीनापन्नमार उनुद्र प्रकृत प्रदेश माने प्रकृत क्षेत्र प्रकृत क्षेत्र प्रकृत प्रकृत स्राप्त पन्न प्रकृत क्षेत्र प्रकृत क्षेत्र प्रकृत माने प्रकृत प्रकृत प्रकृत प्रकृत क्षेत्र प्रकृत प्रकृत प्रकृत स्राप्त पन्न प्रकृत प्रकृत क्षेत्र प्रकृत प्रकृत

त्तर भेटाद्र का सैचार द्रार क्षार देर. हे चीवेश कर रसी. या केंद्र वेच बीर चीर स्टार स्टी मार्थ केंद्र मार्च सि यह चीविश सैचार द्रार का सिद्ध चीवेश सैचार दर्द चीवेश से जा कर के कि कि सिद्ध के कि सिद्ध के सिद्ध के सिद्ध के

इ.क्यं.४ल्ला

द्रवा दर्शात्वे-वेश्र जूर्य चूर् सेन्य जूर्य ताच्नू रंजून तेश्र जूर्य त्री चूर्स सेन्य उद्दे स्टाल्य विश्वे क्रिय ताच्यू क्षेत्र क

चब्दानर्था। अह्यन्त्रज्ञाक्ष्यः क्रियानाचा रद्दः भ्रत्यावा कृष्या स्वाया स्वाया स्वया स्य

त्रमार्क् ती. रट. मूर्ट का. ती. पेन मूर्य या. द्वा या द्वा या द्वा या द्वा या द्वा या द्वा त्वा या व्या या द्व

इ.क्थं.४०ता

चीर ती ब्राई वर ची जबा ब्रेंग च हुं ब्रेस की चाना वा वी जार अर सार चार वा ब्राई मी ब्रोंस तो क्राई स्टा क्राई मी क्राई की चीय उसे वा क्रींस क्राई स्टा क्राई स

मा र.ज. नर मुर्च दुमा जना महेव हे. मी में जूर तर क्व दुमा रेट हुम दुमा अप जमा इया हुय रहू मी श्रीर रूप रहे. मी क्या की रेट मी श्रेव रीय मी हुम रेपर जूरी

इ.श्र्यः ४५ता

चार.सी. चाननतम्भवानात्रम् त्राहे वर तर्गूर्र देलूर ततु धूच रचर रहर रजर्चन ही. कुनात्र धूच रच्यू ततु भूष राजा. ईर्ट रेलूर ततु. श्रे.क्रेर सम्बद्धिय पाठ विभाग ई.बी धूच रचर लूरी

इ.क्र्यं.र७ता

मार.ती. रट.ट्यट.मु.धूमाजमासूम.मैयाग.यद्श्र.कृ.उट्ट.वट. ठयट.ट्यू.एद्रु.स्याग.कृ.मु. ठयावाविर.सूम

उद्यन्तर्या। मबर ब्रेट्टिट, शुःश्रम् मन्नाज्ञे हे ज्या श्रीम् मध्य त्यान्तर्य मुन्द्रम् अस्य त्यान्त्रम् श्रीम् मन्त्रम् अद्वर्यम् अस्य स्थान्त्रम् अस्य स्थान्त्रम्

र्वेन-रनर-रर-र-प्रस्पर-रेक्ट्रम् सः मार्क्डमी घर २४० र १९६५ सीट-र्क्नुट-र्क्नुट-र्क्नुट-र्वेन्ड-र्स्निन-र्वेन्ड-र्क्न्य-प्रस्पादिक्रमा २४० र विद्यासी हर्म

¥.क्र्यं₃०तो

बुद्रम् त. भैजावन दरः इंक्व. लस्व. शुर्म्याचार देर ति उद्दीत उत्तर मुर्द्य उच्चेज शुक्र्च बोका नम्मिना उद्देश दिन मोर्ट्य क्व. व्यापा वद्देश स्वर प्रमाण स्वर स्वर प्रमाण वद्देश स्वर प्रमाण वद्देश स्वर स्वर स्वर स्वर स्वर स